गरवी गुजरात

PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 045
दि. 14.06.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे पर रवाना होने से पहले पीएम मोदी बोले- यूरोप और जी-7 के साथ साझेदारी को मिलेगी नई गति

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर रवाना होने से पहले जारी अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा कि उनकी यह यात्रा यूरोप और जी-7 देशों के साथ भारत की बढ़ती साझेदारी को नई गति देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह दौरा भारत के रणनीतिक, आर्थिक और नवाचार सहयोग को और मजबूत करेगा।

फ्रांस के साथ विशेष वैश्विक सामरिक साझेदारी पर होगा फोकस

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की सामरिक दृष्टि में फ्रांस का विशेष स्थान है। उन्होंने बताया कि इसी वर्ष की शुरूआत में इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों को 'विशेष वैश्विक सामरिक साझेदारी' के स्तर तक उन्नत किया गया था। नीस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ होने वाली बैठक में फरवरी से अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी और सहयोग के अगले चरणों पर चर्चा होगी। साथ ही, दोनों नेता वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे।

'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का करेंगे उद्घाटन

पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह 14 जून को नीस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करने को लेकर उत्साहित हैं।

भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के तहत आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक निवेशकों से जोड़ने का मंच बनेगा और उच्च शिक्षा संस्थानों से उभर रहे नवाचारों को बढ़ावा देगा।

स्लोवाकिया की पहली ऐतिहासिक यात्रा

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह 14 और 15 जून को स्लोवाकिया की राजकीय यात्रा करेंगे। 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक दौरा द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देगा। इस दौरान उनकी मुलाकात स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको से होगी। साथ ही, वे वहां के व्यापारिक नेताओं के साथ भी बातचीत करेंगे।

जी-7 में उठाएंगे ग्लोबल साउथ की आवाज

पीएम मोदी ने कहा कि स्लोवाकिया से वह फ्रांस के एवियां पहुंचेंगे, जहां 16 और 17 जून को आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन 2026 में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि जी-7 में भारत की उपस्थिति साझेदार देशों के विश्वास और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रतीक है। यह लगातार आठवां अवसर है जब भारत को जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत इस मंच पर अपने विचार रखने के साथ-साथ ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को भी मजबूत आवाज देगा।

विवाटेक सम्मेलन और भारतीय समुदाय से करेंगे संवाद

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि वह 18 जून को पेरिस में अपनी यात्रा का समापन करेंगे, जहां राष्ट्रपति मैक्रों के साथ विवाटेक 2026 में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यह यूरोप का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन है और इस बार इसमें भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय पवेलियन होगा। उन्होंने पेरिस में भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात को लेकर भी उत्साह व्यक्त किया।

भारत की वैश्विक भागीदारी को मिलेगा विस्तार

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि फ्रांस और स्लोवाकिया की उनकी यात्रा यूरोप और जी-7 के साथ भारत की गहन होती सहभागिता को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह दौरा महाद्वीप के देशों और अन्य वैश्विक साझेदारों के साथ सहयोग के दायरे का विस्तार करने की भारत की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा।

आजमगढ़ में बोले योगी आदित्यनाथ - 'बेटियों पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, अपने चेले-चपाटों को समझाएं अखिलेश यादव'

(जीएनएस)।

आजमगढ़। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में भारत की पहचान भ्रष्टाचार के नाम पर थी। विश्व में सम्मान नहीं मिलता था। देश की सुरक्षा को लेकर सरकार गंभीर नहीं थी। नक्सलवाद चरम पर था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एक नए भारत के रूप से उभर रहा है और देश की जनता एक नए भारत का दर्शन कर रही है।

कहा कि 2017 के पहले भी यहां पर ब्लैक पाटरी और मुबारकपुर की रेशमी साड़ी थी लेकिन पूर्व की सरकारों में इनको पहचान नहीं मिली। इसका प्रमुख कारण सरकारों की नकारात्मक मानसिकता थी। 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। 2017 में यूपी में भाजपा की सरकार बनने के बाद डबल इंजन की सरकार में यूपी में विकास को गति मिली, जो आज भी चल रही है। डबल इंजन की सरकार में ब्लैक पाटरी और

मुबारकपुर की रेशमी साड़ी को विश्व फलक पर पहचान मिली है।

महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय में 955 करोड़ की 39 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। कहा कि इनकी सरकारों में अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मंदिर नहीं बना। सपा की सरकार में हर आतंकी घटना में संजरपुर का नाम आता था। सपा सरकार में बेटियों की पढ़ाई से लेकर उनकी सुरक्षा को लेकर कोई योजना नहीं थी। युवाओं को भ्रमित करने का काम समाजवादी पार्टी की सरकार ने किया। अब बेटियों की पढ़ाई से लेकर उनकी सुरक्षा तक की जिम्मेदारी सरकार निभा रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि अभी कुछ दिन पूर्व ही इनकी बेटी के खिलाफ किसी ने टिप्पणी की थी, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की लेकिन अखिलेश यादव के चेले-चपाटे बेटियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं तो अखिलेश यादव को अपने ऐसे चेले-चपाटों को समझाना चाहिए, अगर उनकी बात नहीं सुनते हैं तो ऐसे लोगों को हमारे हवाले कर दीजिए, ठीक कर देंगे। सीएम ने कहा कि सपा की सरकार में आजमगढ़ के सामने अपनी पहचान का संकट था। आज आजमगढ़ विकास की तेज रफ्तार के साथ आगे बढ़ रहा है। जितनी तेज गति होगी, उतनी ही तेज प्रगति होगी। कहा कि आजमगढ़ को सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए डबल इंजन कि सरकार कार्य कर रही है।

जिस मालदीव ने कहा था 'इंडिया आउट', मुसीबत आई तो भारत ने भेजी मदद, कौन सी बीमारी फैली?

कभी 'इंडिया आउट' कैंपेन चलाने वाला मालदीव इन दिनों खसरे के बढ़ते संक्रमण से जूझ रहा है। ऐसे मुश्किल समय में भारत एक बार फिर बड़े भाई की भूमिका निभाते हुए अपने पड़ोसी देश के साथ मजबूती से खड़ा नजर आया है। भारत ने "पड़ोसी पहले" नीति के तहत मालदीव को मेडीकल हेल्प भेजी है ताकि बीमारी के फैलाव को जल्दी से रोका जा सके।

भारत की यह मदद ऐसे समय में आई है जब मालदीव में खसरे के मामलों में अचानक बढ़ोतरी देखी जा रही है और स्वास्थ्य एजेंसियां संक्रमण को नियंत्रित करने की कोशिशों में जुटी हुई हैं।

मोहन भगवत ने दत्तात्रेय होसबले द्वारा पाकिस्तान के साथ संवाद के आह्वान का बचाव किया।

(जीएनएस)।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वाले वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले की टिप्पणियों पर संबोधित किया। भागवत ने स्पष्ट किया कि होसबोले की टिप्पणियाँ पाकिस्तान के लोगों के लिए थीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस पाकिस्तान पर भारतीय सरकार की नीति के साथ सरेखित है, और कुछ पाकिस्तानियों के बीच ऐसे भाव को उजागर किया जो विभाजन का विरोध करते हैं और आरएसएस के काम की सराहना करते हैं।

आरएसएस की शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में एक इंटरैक्टिव सत्र के दौरान, भागवत ने पाकिस्तान में कुछ समूहों के बीच पाकिस्तान विरोधी भावना की एक अंतर्धारा देखी। उन्होंने उल्लेख किया कि कई लोग मानते हैं कि दो-राष्ट्र सिद्धांत की तुलना में एक

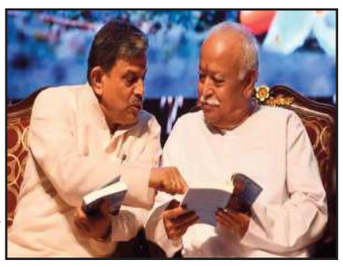

साथ रहना बेहतर था। भागवत ने सुझाव दिया कि यदि भारत को पाकिस्तान को निर्णायक रूप से हराना है, तो उसके लोगों को भारत में एकीकृत करना या यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि वे अपने देश में शांतिपूर्वक रहें।

भागवत ने कहा, "हम हिटलर की तरह नहीं हैं। यह हमारा स्वभाव या हमारा तरीका नहीं है।" उन्होंने न्याय को पराजित करते हुए सकारात्मक तत्वों को संरक्षित करने के महत्व पर जोर देते हुए, बातचीत के लिए खुले चैनल बनाए रखने की वकालत की। उन्होंने दोहराया कि आरएसएस की कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है और वह केंद्र सरकार के रुख का पालन करती है।

वीडियो के साथ एक पिछले साक्षात्कार में, होसबोले ने समान भावनाएं व्यक्त की थीं, यह कहते हुए कि जबकि देश की सुरक्षा और आत्म-सम्मान की रक्षा की जानी चाहिए, बातचीत के लिए खुला रहना आवश्यक है।

पंजाब चुनाव जीतने का अमित शाह ने बनाया मास्टर प्लान, क्या है 117 सीटों पर बीजेपी की रणनीति?

(जीएनएस)।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी इस बार राज्य में सत्ता तक पहुंचने के लिए पूरी ताकत लगाने के मूड में दिखाई दे रही है।

सूत्रों के मुताबिक, पंजाब चुनाव की रणनीति की कमान सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल ली है। भाजपा का मानना है कि राज्य की बदलती राजनीतिक परिस्थितियां पार्टी के लिए नए अवसर पैदा कर रही हैं और यदि सही रणनीति अपनाई जाए तो पंजाब में पार्टी अपना जनाधार काफी हद तक बढ़ा सकती है।

राज्य में अअढ, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल (रअऊ) के बीच जारी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच इखढ खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करने की कोशिश में जुटी है। अकेले चुनाव, 117 सीटों पर दांव... आइए जानते हैं पंजाब साधने के लिए इखढ का क्या है मास्टर प्लान?

अमित शाह करेंगे पंजाब भाजपा नेताओं की अहम बैठक

आज तक की रिपोर्ट के अनुसार, अमित शाह इसी महीने पंजाब बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं और संगठन पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाने वाले हैं। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि बैठक का प्रमुख एजेंडा पंजाब में चलाए जाने वाले ड्रग्स विरोधी अभियान को अंतिम रूप देना होगा।

बीजेपी का मानना है कि नशे का मुद्दा पंजाब के सामाजिक और राजनीतिक जीवन में सबसे संवेदनशील विषयों में से एक है। पार्टी इसे चुनावी मुद्दे के रूप में जनता के बीच मजबूती से उठाना चाहती है। बीजेपी नेताओं का आकलन है कि यदि नशे के खिलाफ जनजागरण अभियान को प्रभावी ढंग से चलाया गया तो युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण परिवारों के बीच पार्टी की स्वीकार्यता बढ़ सकती है।

अकाली दल से गठबंधन नहीं, 117 सीटों पर अकेले चुनाव

बीजेपी ने पंजाब की राजनीति में एक बड़ा फैसला लेते हुए यह लगभग तय कर लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में वह शिरोमणि अकाली दल (रअऊ) के साथ गठबंधन नहीं करेगी। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी इस बार राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी और अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला बीजेपी की स्वतंत्र पहचान को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

पार्टी अब पंजाब में सहयोगी दल की भूमिका से आगे बढ़कर खुद को मुख्य राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित करना चाहती है।

गांव और किसान होंगे रणनीति के केंद्र में

बीजेपी की चुनावी योजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा ग्रामीण पंजाब को माना जा रहा है। पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए हैं कि वे गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क करें और घर-घर पहुंच बनाएं। इसके लिए व्यापक डोर-टू-डोर कैंपेन चलाने की तैयारी की जा रही है।

इसके अलावा किसानों, ग्रामीण युवाओं और महिला मतदाताओं के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।बीजेपी का मानना है कि पंजाब की राजनीति में ग्रामीण वोट बैंक निर्णायक भूमिका निभाता है और बिना गांवों में मजबूत उपस्थिति बनाए सत्ता तक पहुंचना मुश्किल है।

रवनीत सिंह बिट्टू की भूमिका पर खास नजर

पंजाब बीजेपी की रणनीति में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है।

बड़ी कामयाबी : डीआरडीओ ने बनाया बीएमडी के रूप में ब्रह्मास्त्र, चीन की बड़ी-बड़ी मिसाइलें हवा में होंगी ढेर, क्या है खासियत?

(जीएनएस)।

भारत ने 10 और 11 जून को अपनी रक्षा क्षमताओं में एक और बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) सिस्टम की फाइनल डवलपमेंटल टेस्टिंग पूरी कर ली है। DRDO द्वारा किए गए इस कामयाबी ने भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल कर दिया है, जिनके पास लंबी दूरी की बैलिस्टिक और इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों (ICBM) को रोकने और नष्ट करने की ताकत मौजूद है।

क्या किया टेस्टिंग में मिसाइलों ने?

इस टेस्टिंग के दौरान DRDO ने दो अलग-अलग इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों ने दुश्मन की ओर से दागी गई डमी बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक ट्रैक किया और उन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया। खास बात यह रही कि एक इंटरसेप्शन पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर यानी एंडो-एटमॉस्फियर में किया गया, जबकि दूसरा इंटरसेप्शन अंतरिक्ष की सीमा के पास एक्सो-एटमॉस्फियर में सफल रहा। इससे साबित हुआ कि भारत की मिसाइल ढाल कई स्तरों पर काम करने में सक्षम है।

सफल परीक्षण के बाद DRDO ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा,

"भारत की मल्टी लेवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता का सफल प्रदर्शन किया गया। इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने-अपने लक्ष्यों को सटीकता के साथ निशाना बनाया। इन सिस्टम्स को उभरते मिसाइल खतरों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के साथ विकसित किया गया है।"

यह बयान साफ करता है कि भारत भविष्य के मिसाइल खतरों को ध्यान में रखते हुए अपनी रक्षा तकनीक को लगातार अपग्रेड कर रहा है।

भारत ने अपने बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस कार्यक्रम की शुरूआत 1999 में की थी। इसके पीछे दो बड़े कारण थे। पहला, 1998 में पाकिस्तान की न्यूक्लियर टेस्टिंग और दूसरा, चीन की तेजी से बढ़ती मिसाइल क्षमताएं। इन दोनों चुनौतियों को देखते हुए भारत ने एक ऐसे सिक्योरिटी सिस्टम को बनाने का फैसला किया जो दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर सके।

कैसे काम करता है ये सिस्टम?

भारत का इंटरसिस्टम मुख्य रूप से दो स्तरों पर काम करती है। पहला स्तर एंडो-एटमॉस्फेरिक डिफेंस है, जो पृथ्वी के वायुमंडल के भीतर आने वाली मिसाइलों को इंटरसेप्ट करता है।

दूसरा स्तर एक्सो-एटमॉस्फेरिक डिफेंस है, जो अंतरिक्ष या वायुमंडल से बाहर आने वाले खतरों को नष्ट करता है।

खत्म होगा मिडिल ईस्ट संकट? शांति समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को दिया 24 घंटे का अल्टिमेटम

(जीएनएस)।

पिछले कई महीनों से पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में तबाही मचाने वाली और वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख देने वाली अमेरिका-ईरान जंग आखिरकार खत्म होने की कगार पर पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच इस ऐतिहासिक शांति समझौते पर रविवार, 14 जून को ही हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

ट्रंप के मुताबिक, इस समझौते पर दस्तखत होते ही सबसे व्यस्त समुद्री व्यापारिक रास्ता यानी 'स्ट्रैट ऑफ होर्मुज' पूरी दुनिया के जहाजों के लिए तुरंत खोल दिया जाएगा।

ट्रंप का यह बड़ा बयान मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के उस दावे के ठीक कुछ घंटे बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि दोनों देशों के बीच बातचीत बिल्कुल आखिरी चरण में है और अगले 24 घंटे के भीतर समझौते पर मुहर लग जाएगी।

डोनाल्ड ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर किया बड़ा एलान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर शनिवार को एक पोस्ट के जरिए इस बड़ी कामयाबी की उम्मीद जताई। डोनाल्ड ट्रंप ने लिखा, शेड्यूल के मुताबिक इस समझौते पर कल (रविवार) हस्ताक्षर होने तय हुए हैं। जैसे ही इस शांति समझौते पर दोनों देश दस्तखत करेंगे, उसके तुरंत बाद होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल दिया जाएगा और यह 'ओपन टू ऑल' (सबके लिए खुला) होगा।

यह खबर ऐसे समय में आई है जब महज कुछ ही समय पहले ओमान की खाड़ी में अमेरिकी हमलों और समुद्री नाकेबंदी के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी तनाव बना हुआ था। इस शांति समझौते की खबर से वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की सप्लाई चेन को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ईरान का 'वेट एंड वॉच' रुख: कहा-'कल नहीं होगा समझौता'

एक तरफ जहां अमेरिकी राष्ट्रपति और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस बात को लेकर आश्वस्त दिखे कि रविवार को ही जंग पर पूर्णविराम लग जाएगा, वहीं दूसरी तरफ ईरान के सुर थोड़े अलग नजर आए। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्रालय ने फिलहाल जल्दबाजी में कोई भी बड़ा दावा करने से परहेज किया है।

पाकिस्तान के 24 घंटे वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि अभी अंतिम तारीख तय होना बाकी है, हालांकि यह समझौता रविवार को तो बिल्कुल नहीं होने जा रहा है। यानी ईरान समय को लेकर थोड़ा और वक्त चाहता है। इससे पहले शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सकारात्मक संकेत देते हुए कहा था कि आने वाले कुछ दिनों में समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

सम्पादकीय

यूएस के प्रति नाराजगी की हवा

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से यह कहना कि सभी कॉमर्शियल जहाजों को होर्मूज स्ट्रेट में अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरन्त पालन करना चाहिए और अमेरिकी नाकेबन्दी का उल्लंघन एवं ईरानी तेल की अवैध ढुलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बात का स्पष्ट संदेश है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका हर हथकण्डा अपना रहा है। अमेरिका जिस तरह ईरान को घेर कर बैठा है, इससे एक बात तो साफ है कि अब या तो विवश होकर ईरान समझौता कर ले अथवा समझौते का विकल्प हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। यह अमेरिका की रणनीतिक चाल है कि एक तरफ उसने समझौते की संभावना की खबर पैला दी है और इजरायल की नाराजगी की हवा फैला दी है जबकि दूसरी तरफ ईरान के लिए स्थाईं मुसीबत खड़ी कर दी है।

उल्लेखनीय है कि 8 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झण्डे वाले तेल टैंकर 'मेरीवैक्स' तेल टैंकर को बेकार कर दिया था जिसमें 24 भारतीय नाविक सवार थे। इस हमले में तो सभी ब्रू मेम्बर बचा लिए गए किन्तु 10 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे लगे एक और टैंकर 'सेटेबेलो' पर हमला किया जिसमें सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गईं। बृहस्पतिवार यानि 11 जून को एक और जहाज 'जलवीर' पर भी हमला हुआ जो गिनी बिसाऊ के झंडे वाला टैंकर था और जिसमें 20 भारतीय सवार थे।

असल में विदेश मंत्री जयशंकर अपने यूरोप प्रवास में हैं और उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्ष से कॉमर्शियल जहाजों पर इस तरह के हमले को गलत बताया तब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने जवाब में दो टूक कहा कि अमेरिकी सेना ऐसे हमले करती रहेगी क्योंकि अमेरिका नहीं चाहता कि कोईं भी टैंकर ईंरान से तेल लेकर होर्मूज स्ट्रेट से गुजरे। इसका मतलब यह हुआ कि अमेरिकी राजदूतावास के डिपटी चीफ आफ द मिशन (डीसीएम) जेसन मोक्स को जब शुव्रवार को विदेश मंत्रालय में बुलाकर स्पष्ट किया जा रहा था कि अमेरिकी सेना के इस तरह टैंकरों पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और अमेरिकी राजनायिक का यह कहना कि हमले गलती से हुए तथा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इस घटना पर सफाईं देते हुए यह कहना कि इन टैंकरों पर हमले ईंरान ने किया है कितना भ्रामक है।

सच तो यह है कि राजदूतावास के डीसीएम और राष्ट्रपति तो बहाना बना रहे थे लेकिन विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से अपनी रणनीति की जानकारी डॉ. जयशंकर को दे दी।

यह सच है कि अमेरिका दुनिया के किसी भी देश के राष्ट्रीय हितों की कोईं परवाह नहीं करता। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जो यूरोप अमेरिका के अनुयायी और अंध समर्थक के रूप में जाना जाता था, ट्रंप के मौजूदा अमेरिका ने उसके राष्ट्रीय हितों की कोईं परवाह नहीं की तो भारत को यह भूल जाना चाहिए कि अमेरिका नईं दिल्ली को अपना स्वाभाविक मित्र मानता है। भारत को अमेरिका पर कोईं भरोसा नहीं करना चाहिए किन्तु दुश्मनी से बचना भी चाहिए। मतलब यह कि खुद को मजबूत, समृद्ध और प्रभावशाली बनाए, अमेरिका से किसी भी तरह की उम्मीद न करे। भारत को यह समझने की जरूरत है कि एक तरफ तो वह नईं दिल्ली को अपना मित्र बताता है जबकि भारतीय नाविकों को मार रहा है किन्तु चीन के टैंकर धड़ल्ले से होर्मूज स्ट्रेट से निकल रहे हैं जिन पर अमेरिकी सैनिक हमले नहीं करते। इसका सीधा हिसाब यही है कि अमेरिका शक्ति की भाषा समझता है, इसलिए इस वक्त भारत को अनावश्यक उलझने की बजाए अपनी ताकत बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए और अमेरिका के साथ संबंधों की संतुलित एवं वैलवुलेटिव ही रखना चाहिए अन्यथा वह भारत को अपने दोस्ती का झांसा देकर शत्रुवत व्यवहार करता रहेगा।

'अल्पसंख्यक खतरे में हैं..': किरेन रिजिजू ने शेयर किया ईरान के राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा पर वाजपेयी का वह भाषण

(जीएनएस)।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने अल्पसंख्यकों को लेकर विपक्ष पर बड़ा हमला किया है। रिजिजू ने अटल बिहारी वाजपेयी का एक पुराना वीडियो शेयर किया है, जिसमें ईरान के पूर्व राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा का जिक्र है।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 1995 में ईरान के राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी की लखनऊ यात्रा पर संसद में विपक्ष के नेता के तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का एक भाषण शेयर कर के विपक्ष पर निशाना साधा है।

'कांग्रेस के कार्यकाल में कहते थे अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं'

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अटल बिहारी के भाषण वाले वीडियो के साथ अपनी टिप्पणी में लिखा है, 'कांग्रेस के कार्यकाल में भी, यही लोग कहते थे कि भारत में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं।'

'ईरान के साथ हमारे संबंध और भी मैत्रीपूर्ण हों'

वीडियो में ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति की भारत यात्रा की समाप्ति के बाद अटल बिहारी वाजपेयी संसद में कह रहे हैं, 'मैंने अपने भाषण में ईरान के राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा का उल्लेख किया था...। वे हमारे आदरणनीय मेहमान थे। ईरान के साथ हमारे संबंध और भी मैत्रीपूर्ण हों...।'

'घरेलू मामले में दखल देने के लिए निमंत्रण दिया'

उन्होंने एक राजनीतिक दल की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया कि क्या ईरान के राष्ट्रपति को देश के आंतरिक मामलों में दखल देने के लिए बुलाया गया था, '...उनकी लखनऊ

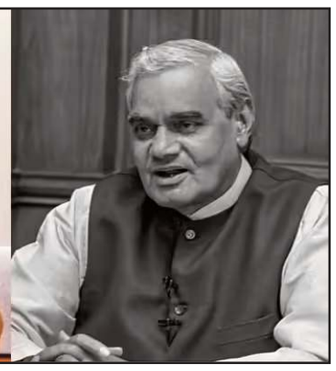

यात्रा के दौरान जो कुछ हुआ...जिस तरह से उनकी यात्रा का एक दल विशेष द्वारा संकुचित लाभ उठाने की कोशिश की गई..सांप्रदायिकता को भड़काने की कोशिश की गई, उन्हें भारत के घरेलू मामले में दखल देने के लिए निमंत्रण दिया गया...क्या प्रधानमंत्री को मालूम है कि जब वो अमौसी हवाई अड्डे से इमामबाड़े तक गए तो कोई भारत का राष्ट्रीय झंडा नहीं था?'

..ईरान के राष्ट्रपति के सामने ये कहा गया कि देश में अल्पसंख्यक खतरे में हैं, वही अल्पसंख्यकों को बचा सकते हैं...क्या इसलिए ईरान के राष्ट्रपति को लखनऊ ले जाया गया था?

अटल बिहारी वाजपेयी का संसद में भाषण, 1995

ईरान के राष्ट्रपति की लखनऊ यात्रा में क्या हुआ

यह बात अप्रैल, 1995 की है, जब ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति अकबर हाशमी रफसंजानी भारत यात्रा पर आए थे। इस दौरान वह लखनऊ यात्रा पर गए और उनकी यह यात्रा देश-विदेश में सुर्खियां बनीं।

उस समय केंद्र में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार थी।

लखनऊ भारत का ऐसा शहर है, जहां शिया मुसलमानों की बड़ी आबादी रहती है। अपनी लखनऊ यात्रा के दौरान अकबर हाशमी रफसंजानी बड़ा इमामबाड़ा गए और करीब 10,000 लोगों की सभा को संबोधित भी किया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अपने भाषण में उन्होंने इस बात का खास तौर पर जिक्र किया कि मुसलमानों को भारत में सुरक्षित महसूस करना चाहिए और उन्होंने भारतीय धर्मनिरपेक्षता की खूब तारीफ भी की।

उनकी यह यात्रा 1992 में बाबरी मस्जिद ढांचे को गिराने के बाद हुई थी, इसलिए एक वर्ग को उम्मीद थी कि वह भारत में अल्पसंख्यकों के असुरक्षित होने जैसी बातें कहेंगे।

लेकिन, उनकी यह यात्रा भारतीय मुसलमानों के मन में बैठी तमाम दुविधाओं को दूर करने के तौर पर देखी गई।

मौत के 132 दिन बाद सुपुर्द-ए-खाक होंगे खामेनेई, 6 दिनों के अंतिम संस्कार का शेड्यूल जारी

(जीएनएस)।

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तारीख आखिरकार तय कर दी गई है. ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, 4 जुलाई से तेहरान में अंतिम संस्कार कार्यक्रम शुरू होगा और 9 जुलाई को उनके गृहनगर मशहद में दफन के साथ पूरा होगा. खामेनेई की मौत फरवरी में अमेरिका और इजराइल के हमलों के दौरान हुई थी.

अली खामेनेई की मौत के बाद से ही अंतिम संस्कार को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही थीं. सुरक्षा हालात, क्षेत्रीय तनाव और सत्ता हस्तांतरण से जुड़ी प्रक्रियाओं के कारण कार्यक्रम में कई महीनों की देरी हुई. अब ईरान ने पूरे कार्यक्रम का आधिकारिक शेड्यूल जारी कर दिया है.

ईरानी प्रशासन के अनुसार, अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरूआत 4 जुलाई को राजधानी तेहरान से होगी. यहां तीन दिनों तक बड़े स्तर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. देशभर से लोगों के पहुंचने की उम्मीद है. तेहरान प्रशासन का कहना है कि करोड़ों लोग इस कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं. सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि इतने बड़े आयोजन को बिना किसी परेशानी के पूरा किया जा सके.

मुहर्रम की वजह से टाली गई थी तारीख

ईरान ने पहले योजना बनाई थी कि अंतिम संस्कार मुहर्रम की शुरूआत में किया जाएगा. लेकिन बाद में इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया. तेहरान के मेयर अलीरेजा जकानी ने बताया कि मुहर्रम के शुरूआती दिनों में शिया समुदाय इमाम हुसैन की शहादत का मातम मनाता है. इसी वजह से सरकार ने फैसला किया कि पहले धार्मिक कार्यक्रम पूरे होने दिए जाएं और उसके बाद खामेनेई का अंतिम संस्कार आयोजित किया जाए.

मार्च में होना था दफन, लेकिन बढ़ गई देरी

खामेनेई को मार्च में दफनाए जाने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन हालात बदल गए. क्षेत्र में जारी संघर्ष,

सुरक्षा से जुड़े मुद्दे और राजनीतिक परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम को स्थगित करना पड़ा. इसके बाद कई महीनों तक नई तारीख पर चर्चा चलती रही. इस दौरान सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने अलग-अलग विकल्पों पर विचार किया. आखिरकार जुलाई की तारीख तय की गई ताकि सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार की जा सकें.

ये भी पढें; ईरान के नए सुप्रीम लीडर पर फिदा हुए ट्रंप! मोजतबा खामेनेई को लेकर दिया ऐसा बयान कि हिल गई पूरी दुनिया

कोम में भी होगा विशेष श्रद्धांजलि समारोह

तेहरान में तीन दिन के कार्यक्रम के बाद 7 जुलाई को पवित्र शहर कोम में एक विशेष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा. कोम शिया मुस्लिमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र माना जाता है. यहां देश के बड़े धार्मिक नेता और हजारों श्रद्धालु शामिल हो सकते हैं. ईरानी प्रशासन का मानना है कि यह कार्यक्रम खामेनेई को अंतिम सम्मान देने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा होगा और इससे बड़ी संख्या में लोग जुड़ेंगे.

9 जुलाई को मशहद में होगा अंतिम दफन

अंतिम चरण में 9 जुलाई को अली खामेनेई को उनके गृहनगर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा. उनकी मौत के करीब 132 दिन के बाद यह दफन प्रक्रिया पूरी होगी. इस लंबे इंतजार के दौरान उनके उत्तराधिकारी और सत्ता हस्तांतरण को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं होती रहीं. अब दफन की तारीख तय होने के बाद इन अटकलों पर विराम लगने की उम्मीद है. मशहद में भी लाखों लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है.

रीना रॉय को जहां छुना था छू लिया', शत्रुघ्न सिन्हा के बयान ने काटा बवाल, एक्ट्रेस के लिए की थी हद पार

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के सुनहरे दौर में कई ऐसी प्रेम कहानियां रहीं हैं, जिनकी चर्चा फिल्मों से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी को लेकर होती थी। जहां एक ओर अमिताभ बच्चन और रेखा के रिश्ते ने सुर्खियां बटोरी थीं, वहीं शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय का नाम भी उस दौर की सबसे चर्चित जोड़ियों में शामिल रहा था। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई थी।

शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय की केमेस्ट्री

हालांकि वक्त के साथ शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय का रिश्ता टूट गया लेकिन इससे जुड़े किस्से आज भी लोगों की दिलचस्पी का विषय बने हुए हैं। हाल ही में एक वरिष्ठ फिल्म पत्रकार ने शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय से जुड़ा ऐसा किस्सा शेयर किया है, जिसने एक बार फिर इस चर्चित रिश्ते को सुर्खियों में ला दिया है।

जब रीना रॉय को लेकर नाराज हो गए थे शत्रुघ्न सिन्हा

-वरिष्ठ पत्रकार ज्योति वेंकटेश ने एक इंटरव्यू के दौरान उस घटना का जिक्र किया, जब रीना रॉय ने कथित तौर पर एक फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। उस समय एक फिल्म मैगजीन के लिए दिए गए इंटरव्यू में शत्रुघ्न सिन्हा से इस बारे में सवाल पूछा गया था।

-बताया जाता है कि सवाल सुनते ही शत्रुघ्न सिन्हा ने काफी तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उनके जवाब को लेकर उस समय इंडस्ट्री में काफी चर्चा हुई थी और मीडिया में भी ये बयान लंबे समय तक सुर्खियों में बना रहा।

'रीना रॉय को जहां-जहां छूना था छू लिया'

दरअसल शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा था- रीना रॉय ये कैसे कह सकती हैं कि शत्रुघ्न सिन्हा के साथ काम नहीं करूंगी। रीना रॉय को जहां-जहां जितना-जितना छूना था वहां-वहां उतना-उतना छू लिया और उसे आगे छूने की तमन्ना ही नहीं है मेरे दिल में।

इसके बाद एक्टर के इस बयान पर काफी बवाल मच गया था। शत्रुघ्न सिन्हा की टिप्पणी को लेकर काफी विवाद खड़ा हो गया था और ये मामला बॉलीवुड गलियारों में चर्चा का विषय बन गया था।

रीना रॉय के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार थे एक्टर

-ज्योति वेंकटेश ने इंटरव्यू में एक और दिलचस्प खुलासा किया। उनके अनुसार एक फिल्म में रीना रॉय को कास्ट करने के लिए शत्रुघ्न सिन्हा ने प्रोड्यूसर से अपनी फीस कम करने तक की बात कह दी थी।

-पत्रकार ने बताया कि उस फिल्म में रीना रॉय की जगह सुलक्षाण को ले लिया गया था लेकिन जब ये बात शत्रुघ्न सिन्हा को पचा चली तो उन्होंने सीधे प्रोड्यूसर को फोन लगाया और रीना रॉय को कास्ट करने की सिफारिश की थी। हालांकि आखिरकार ऐसा नहीं हो पाया और फिल्म सुलक्षणा के साथ ही बनाई गई। ये किस्सा उस दौर में रीना रॉय और शत्रुघ्न सिन्हा के रिश्ते की गहराई को भी दशार्ता है।

7 साल तक चला था रीना रॉय और शत्रुघ्न सिन्हा का रिलेशन

-शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय के रिश्ते को लेकर सालों तक चचाएं होती रहीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दोनों लंबे समय तक एक-दूसरे के करीब रहे। बताया जाता है कि रीना रॉय इस रिश्ते को शादी का रूप देना चाहती थीं लेकिन उस समय शत्रुघ्न सिन्हा पहले से शादीशुदा थे।

-यही वजह रही कि शत्रुघ्न सिन्हा अपनी लेडी लव रीना रॉय को लेकर कोई बड़ा फैसला नहीं ले सके। धीरे-धीरे परिस्थितियां बदलती गईं और दोनों के रिश्ते में दूरी आने लगी। कहा जाता है कि करीब 7 साल तक साथ रहने के बाद दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए थे।

क्यों होती है सोनाक्षी सिन्हा और रीना रॉय की तुलना?

आपको बता दें कि शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय के रिश्ते की चचाएं सालों बाद भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। इसकी एक वजह एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा भी रही हैं। कई बार सोशल मीडिया पर शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी सोनाक्षी सिन्हा के चेहरे और हाव-भाव की तुलना एक्ट्रेस रीना रॉय से की जाती रही है। हालांकि सोनाक्षी ने कई मौकों पर इस तुलना को पॉजिटिव रूप में लिया है। उनका कहना रहा है कि किसी सफल और खूबसूरत एक्ट्रेस से तुलना होना उनके लिए सम्मान की बात है।

भारत-अफगानिस्तान मैच कौन जीता, किस खिलाड़ी ने मचाई बल्ले से तबाही

(जीएनएस)।

धर्मशाला में भारत और अफगानिस्तान के बीच वनडे बारिश के बाद 25-25 ओवरों का कर दिया गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने विस्फोटक शतकीय पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें पर्याप्त सहयोग नहीं मिला।

गुरबाज ने केवल 51 गेंदों पर 102 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 8 छक्के शामिल रहे तथा उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा। अफगानिस्तान की तरफ से सबसे तेज वनडे शतक जड़ने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया, यह 48 गेंदों में आया।

दूसरे सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान 4 गेंदों में सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए। सिदीकुल्लाह अतल भी खाता नहीं खोल सके। रहमत शाह ने 8 गेंदों में 3 रन बनाए, जबकि कप्तान हश्मतुल्लाह शाहिदी ने 30 गेंदों पर 27

रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली। मध्यक्रम में अजमतुल्लाह ओमरजई ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में 26 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के शामिल थे। अनुभवी मोहम्मद नबी 14 गेंदों में 9 रन ही बना सके। राशिद खान ने 13 गेंदों पर 9 रन जोड़े। भारत की तरफ से इस मुकाबले में डेब्यू करने वाले गेंदबाज गुरनूर बरार और हर्ष दुबे ने 3-3 विकेट अपने नाम किए।

जवाब में खेलते हुए रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने भारत के लिए 47 रन जोड़े। जब रोहित शर्मा 16 के स्कोर पर थे, उस समय गिल की गलती से वह रन आउट होकर चले गए। उनके बाद बैटिंग करने के लिए आए ईशान किशन ने मोर्चा संभाल लिया। किशन ने तेज बैटिंग करते हुए 22 गेंदों में 34 रन बनाए और गिल के साथ मिलकर अर्धशतकीय भागीदारी करते हुए टीम को 100 के पार पहुंचा दिया।

श्रेयस अय्यर सस्ते में आउट हो गए लेकिन गिल फिफ्टी जड़ने के बाद भी क्रीज पर टिके रहे। बाद में केएल राहुल ने तूफानी अंदाज दिखाया और गेंदबाजों को निशाना बनाया। वह 19 गेंदों में नाबाद 39 रन बनाकर लौटे, गिल ने 66 गेंदों में नाबाद 84 रन बनाए। भारत ने 13 गेंद शेष रहते 7 विकेट से मैच जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल कर ली।

यासीन मलिक की बीवी मुशाल हुसैन का दोहरा चेहरा, कश्मीर पर हाय तौबा- पीओके पर खामोश क्यों? चुप रहने का कितना लिया पैसा?

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग इन दिनों हिंसा, बवाल और पाकिस्तानी आर्मी का टॉर्चर झेल रहे हैं। वहां के लोग महंगाई, बिजली संकट, आटा जैसी जरूरी चीजों की कीमतों और बेहतर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हैं। लेकिन इन प्रदर्शनों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। इसी बीच मानवाधिकारों की बात करने वाली मुशाल हुसैन मलिक की चुप्पी भी सवालों के घेरे में आ गई है।

कौन हैं मुशाल मलिक?

मुशाल हुसैन मलिक तिहाड़ जेल में बंद कश्मीरी अलगाववादी और वादी में आतंकवाद फैलाने वाले यासीन मलिक की पत्नी हैं। वह पाकिस्तान सरकार में प्रधानमंत्री की मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण मामलों की विशेष सलाहकार भी रह चुकी हैं। मुशाल मलिक अक्सर जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भारत की आलोचना करती रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मानवाधिकारों की बात उठाती रही हैं।

लेकिन PoK में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और वहां कथित तौर पर हो रहे दमन को लेकर उन्होंने अब तक

कोई बड़ा सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। यही वजह है कि उनकी चुप्पी को लेकर बहस तेज हो गई है।

PoK में आखिर क्या हो रहा है?

रावलकोट समेत PoK के कई हिस्सों में लोग लंबे समय से आर्थिक समस्याओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी से परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्हें सस्ती बिजली, दो वक्त की रोटी और राजनीतिक स्तर पर ज्यादा प्रतिनिधित्व चाहिए।

रिपोर्टों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों को कंट्रोल करने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने स्थानीय लोगों पर हमले किए जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की जान चली गई, जब कई लोगों के घायल होने की खबरें भी सामने आई हैं। इसके अलावा इंटरनेट सेवाओं पर रोक, गिरफ्तारियां और आवाजाही पर प्रतिबंध जैसी शिकायतें भी स्थानीय लोगों की ओर से की गई हैं।

मानवाधिकारों पर मुशाल के डबल स्टैंडर्ड

मुशाल मलिक की चुप्पी को लेकर आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि यदि मानवाधिकार हर जगह समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, तो ढङ्गड के लोगों की समस्याओं और उन पर हुई कार्रवाई पर भी आवाज उठनी चाहिए। आलोचकों का कहना है कि पाकिस्तान अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मानवाधिकारों की बात करता है, लेकिन जब ढङ्गड में लोग अपने अधिकारों की मांग करते हैं, तब उनकी शिकायतों को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ता। यही कारण है कि पाकिस्तान की नीतियों पर दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप लग रहे हैं। अब PoK के लोग ही मुशाल से पूछने लगे हैं कि PoK में हो रही पाकिस्तान आर्मी की बर्बरता पर चुप रहना का आसिम मुनीर से कितना पैसा लिया है? जेएएसी नेताओं ने पाकिस्तान पर लगाए आरोप - PoK में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के नेताओं ने भी पाकिस्तान प्रशासन की आलोचना की है। उनका आरोप है कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक और रणनीतिक फायदे के लिए करता है, जबकि स्थानीय लोगों की वास्तविक समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता।

भारतवंशी जयश्री कौन? अमेरिका की 7वीं सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिला बनीं

(जीएनएस)।

अमेरिका की सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिलाओं की सूची में इस बार भारतीय मूल की जयश्री उल्लाल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फोर्ब्स की 2026 की 'अमेरिकाज रिचेस्ट सेल्फ-मेड विमेन' लिस्ट में उन्हें 7वां स्थान मिला है। करीब 6.8 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ वह इस सूची में शामिल सबसे सफल भारतीय मूल की महिला बनकर उभरी हैं।

खास बात यह है कि जयश्री ने यह मुकाम किसी पारिवारिक कारोबार के सहारे नहीं, बल्कि अपनी इंजीनियरिंग स्किल, लीडरशिप और दूरदर्शी सोच के दम पर हासिल किया है। कभी शून्य कमाई वाली एक छोटी कंपनी की कमान संभालने वाली जयश्री आज सिलिकॉन वैली की सबसे सफल टेक लीडर्स में गिनी जाती हैं।

जयश्री उल्लाल का जन्म लंदन में भारतीय परिवार में हुआ, लेकिन उनकी परवरिश नई दिल्ली में हुई। बचपन से ही उन्हें टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग में दिलचस्पी थी। आगे की पढ़ाई के लिए वह अमेरिका चली गईं। वहां उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और इंजीनियरिंग मैनेजमेंट में मास्टर्स किया। मजबूत टेक्निकल बैकग्राउंड ने उन्हें बाकी बिजनेस लीडर्स से अलग पहचान दी। यही वजह रही कि उन्होंने सिर्फ मैनेजमेंट नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी को समझते हुए बड़े फैसले लिए और इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाई।

Cisco में सीखा टेक बिजनेस का खेल

अरिस्टा नेटवर्क्स से जुड़ने से पहले जयश्री ने अटऊ और

फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर जैसी कंपनियों में काम किया। इसके बाद वह Cisco Systems का हिस्सा बनीं, जहां उन्होंने करीब 15 साल बिताए। इसी दौरान उन्हें बड़े स्तर पर टेक बिजनेस चलाने और नेटवर्किंग इंडस्ट्री को समझने का मौका मिला। Cisco में उन्होंने टॉप लीडरशिप के साथ काम किया और इंटरनेट क्रांति के दौर को करीब से देखा। यही अनुभव आगे चलकर उनके लिए सबसे बड़ी ताकत बना और उन्होंने टेक मार्केट के भविष्य को समय रहते पहचान लिया।

2008 का रिस्क जिसने बदल दी जिंदगी

साल 2008 में जयश्री ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने Cisco जैसी दिग्गज कंपनी छोड़कर छोटे से स्टार्टअप Arista Networks का नेतृत्व संभाल लिया। उस समय कंपनी की कोई कमाई नहीं थी और मार्केट में पहचान भी नहीं थी। हालांकि जयश्री को भरोसा था कि क्लाउड कंप्यूटिंग भविष्य बदलने वाली है। उन्होंने कंपनी को उसी दिशा में तैयार किया। उनका यह दांव सफल रहा और Arist के नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स दुनिया की बड़ी टेक और क्लाउड कंपनियों की पसंद बन गए। 2014 में कंपनी का क्ढड भी बेहद सफल रहा।

दुनिया में बढ़ा भारतीय महिलाओं का दबदबा

जयश्री उल्लाल की सफलता सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय महिलाओं की बढ़ती ताकत की भी कहानी है। आज कई भारतीय मूल की महिलाएं दुनिया की बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रही हैं।

हेल्थकेयर, बैंकिंग, टेक, एंटरटेनमेंट और लग्जरी सेक्टर में भारतीय महिलाओं का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। जयश्री ने साबित किया है कि सही स्किल, विजन और मेहनत के दम पर दुनिया के सबसे प्रतिस्पर्धी बाजार में भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। उनकी कहानी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बन चुकी है।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

बेटी भगाने की रंजिश में हत्या, 3 दोषियों को उम्रकैद:सीतापुर में कोर्ट 10-10 हजार का लगाया जुमार्ना, 12 साल बाद आया फैसला

(जीएनएस)।

सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में हुई युवक की हत्या के मामले में अदालत ने 12 साल बाद अहम फैसला सुनाया है। जिला न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। फैसला सुनाए जाने के बाद तीनों दोषियों को जेल भेज दिया गया।

इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में जिला न्यायालय ने 12 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए तीन अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। अदालत ने सभी दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है।

यह मामला 24 जनवरी 2014 का है। थाना इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय बबलू अपने पिता शिव सागर के साथ जा रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उस पर बांके से हमला कर दिया। हमले में बबलू गंभीर रूप

से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटे की हत्या उसके पिता की आंखों के सामने हुई थी, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

पुलिस जांच में सामने आया था कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश थी। अभियुक्त मनोहर की बेटी को बबलू अपने साथ भगा ले गया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते मनोहर ने अपने साथियों शिवनारायण और चंद्रिका के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया।

मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शी गवाहों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध किए।

जिला न्यायाधीश आशीष जैन की अदालत ने सुनाई सजा

जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष जैन की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद मनोहर, शिवनारायण और चंद्रिका को दोषी ठहराया।

अदालत ने तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। फैसला सुनाए जाने के बाद तीनों की जमानत निरस्त कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

करीब 12 वर्ष तक चले इस मुकदमे के बाद आए फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद पूरी हुई है।

युवा अध्यक्ष बने प्रिंस गुप्ता, व्यापार मंडल ने किया संगठन विस्तार

(जीएनएस)।

अयोध्या , उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला इकाई ने अपने संगठन का विस्तार किया है। इस प्रक्रिया में सूचितागंज बाजार के व्यापारी प्रिंस गुप्ता को युवा अध्यक्ष बनाया गया है।

संगठन ने ट्रांसपोर्ट व्यवसायी जसबीर सिंह सेठी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। मनीष गोयल को महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष अतुल कुमार सिंह और महानगर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि मार्च 2027 में प्रदेश स्तरीय चुनाव होंगे। इन चुनावों के लिए जिले में संगठन को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए पुनर्गठन की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। जिला अध्यक्ष ने

बिजली बिलों में कथित बढ़ोतरी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

महानगर महामंत्री अरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में कई व्यापारी मौजूद रहे। इनमें जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह गांधी और पार्षद ज्ञान केसरवानी शामिल थे। महानगर कोषाध्यक्ष यशस्पति अग्रवाल भी उपस्थित थे। वरिष्ठ व्यापारी बैजनाथ वैश्य, अरविंद गुप्ता, शिवम यादव, अभिषेक यादव, सूर्यप्रकाश और निशांत सिंह सहित अन्य व्यापारी भी मौजूद थे।

नैमिषारण्य में जल्द शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा:सीतापुर में प्रभारी मंत्री मनोज पांडे का दावा, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

(जीएनएस)।

सीतापुर के प्रभारी मंत्री का दायित्व मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य रसद मंत्री मनोज पांडे शनिवार को पहली बार नैमिषारण्य पहुंचे। उनके आगमन को लेकर तीर्थनगरी में विशेष उत्साह का माहौल रहा।

इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी, चक्रतीर्थ और मां ललिता देवी शक्तिपीठ सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और विकास की कामना की।

प्रभारी मंत्री मनोज पांडे ने अपनी धार्मिक यात्रा की शुरूआत हनुमानगढ़ी मंदिर से की। यहां महंत बजरंग दास के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा और आरती संपन्न हुई।

इसके बाद उन्होंने चक्रतीर्थ पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान में भाग

लिया, जहां तीर्थ पुरोहित राजनारायण पाण्डेय ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा कराई।

इसके पश्चात मंत्री मां ललिता देवी शक्तिपीठ पहुंचे, जहां मंदिर के पुजारी भास्कर शास्त्री ने विशेष पूजन कराया। मंत्री ने प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की।

दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बातचीत में प्रभारी मंत्री मनोज पांडे ने नैमिषारण्य में तैयार हेलीपोर्ट से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू किए जाने के सवाल पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों से वार्ता कर जल्द से जल्द हेलीकॉप्टर सेवा शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सेवा शुरू होने से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार नैमिषारण्य को देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्रों में विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। यहां की आध्यात्मिक और पौराणिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

इस दौरान उपजिलाधिकारी अभिनव यादव, क्षेत्राधिकारी ब्रजेश कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव, ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पाण्डेय सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी रही। मंत्री के दौरे से स्थानीय लोगों में विकास कार्यों को लेकर नई उम्मीद जगी है

लाखों की ठगी, लखनऊ-गोरखपुर से दंपति समेत चार गिरफ्तार

(जीएनएस)।

निचलौल/महराजगंज। नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने महिला समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। सभी आरोपित उन्नाव, लखनऊ व गोरखपुर के रहने वाले हैं।

ठूठीबारी के जमुई कला निवासी निर्भय कुमार मद्धेशिया व पिपराकाजी निवासी रीना चौधरी ने 12 जून को निचलौल थाने में तहरीर देकर बताया था कि नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने उनसे व उनके परिचितों से लगभग 10 लाख रुपये ठग लिए हैं।

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर निचलौल पुलिस, एसओजी और स्वाट टीम आरोपितों की गिरफ्तारी में जुट गई। शनिवार को पुलिस ने वांछित चार आरोपितों को लखनऊ और गोरखपुर के विभिन्न स्थानों से

गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि गिरोह नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सरकारी एवं निजी संस्थानों में नौकरी दिलाने का भरोसा देता था। विश्वास में लेने के बाद उनसे मोटी रकम वसूलकर फर्जी नियुक्ति पत्र, आफर लेटर तथा अन्य कूटरचित दस्तावेज उपलब्ध कराता था।

गिरफ्तार आरोपितों में राजचन्द्रा उर्फ अजीत निवासी कोईली खाल, बड़हलगंज जिला गोरखपुर, आमोद राठौर निवासी जानकीपुरम, लखनऊ, कुलदीप निवासी नरेंद्रनगर उन्नाव और अराधना कुमारी पत्नी कुलदीप निवासी नरेंद्रनगर उन्नाव, वर्तमान पता दीनदयालपुरम तकरोही इंदिरानगर, लखनऊ शामिल हैं।

थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ठगी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, बैंक खातों, लेन-देन और संभावित पीड़ितों की जानकारी जुटा रही है।

अलीगढ़ में लखनऊ-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव, आरपीएफ ने एक युवक को किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

अलीगढ़। लखनऊ से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के कोच पर शनिवार को अलीगढ़ और महरावल स्टेशन के बीच पत्थर फेंककर शीशा तोड़ दिया। अंदर का शीशा सुरक्षित होने के कारण बराबर में बैठे यात्री को चोट नहीं आई है।

इस घटना में एक युवक को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले गुरुवार को लखनऊ से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के कोच 54 पर फिरोजाबाद के पास पत्थर फेंककर शीशा टूटने की घटना हो चुकी है। इस ट्रेन में संघ प्रमुख मोहन भागवत और कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां यात्रा कर रहीं थी। यह दो दिन के अंदर दूसरी घटना है।

शनिवार की सुबह गाड़ी संख्या 12033 शताब्दी एक्सप्रेस के कोच सी-08 पर किसी ने पत्थर मारकर तोड़ दिया। सीट नंबर आठ पर यात्रा कर रही महिला हिमगिरी ने फोन पर बताया कि उनकी सीट नंबर छह थी लेकिन सुविधा के अनुसार वह आठ नंबर यात्रा कर रहीं थीं।

अलीगढ़ से चलने के तीन मिनट बाद सीट नंबर आठ और नौ की खिड़की पर बाहर से उत्तरी दिशा से किसी ने पत्थर फेंकने से शीशा टूट गया। अंदर का शीशा नहीं टूटा था। इससे किसी यात्री को चोट नहीं आई। स्टेशन मास्टर के अनुसार गाड़ी अलीगढ़ सुबह 9.14 बजे पहुंची और दो मिनट रुकने के बाद 9.16 बजे रवाना हो गई।

महरावल से यह ट्रेन 9.22 बजे गुजरी है। यात्री के अनुसार घटनास्थल अलीगढ़ और महरावल बताया जा रहा है। सूचना पर एसआई धीर सिंह, एएसआई सुधीर कुमार, कांस्टेबल बिजेंद्र कुमार, इसकी छानबीन चल रही है।

सहायक सुरक्षा आयुक्त गुलजार सिंह और प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार तिवारी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है।

आरपीएफ ने इस मामले में थाना क्वार्सी के मौलाना आजाद नगर, कोलंबिया स्कूल के पीछे निवासी तालिब को गिरफ्तार किया है।

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के दो संदिग्धों ने खरीदीं महंगी जमीनें, अब पकड़े गए

(जीएनएस)।

अयोध्या। राम नगरी में रामजन्मभूमि परिसर के दानपात्रों की धनराशि चोरी करने के मामले में ट्रस्ट ने दो और कर्मचारियों को पकड़ा है।

ट्रस्ट की ओर से जांच में इतनी गोपनीयता बरती जा रही है कि सुरक्षा से जुड़ा कोई भी अधिकारी इसे स्वीकार नहीं कर रहा है, जबकि पकड़े गए संदिग्ध कर्मियों से पूछताछ में जिनके नाम सामने आ रहे हैं, उन्हें उनके ठिकानों से उठाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह सारी कार्रवाई बिना पुलिस में एफआईआर के ही की जा रही है। पुलिस इस पूरे प्रकरण में ट्रस्ट के कर्मचारियों साथ मिलकर संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि गबन मामले से जुड़े रुदौली के मीनापुर फगौली के मजरे फगौली ठाकुरान निवासी लवकुश को दबोचा गया है, जो ट्रस्ट का कर्मी है और वह भी गणना से जुड़ा रहा है। इसके घर से कुछ नकदी भी बरामद

की गई है, परंतु मात्रा नहीं पता चल सकी। लवकुश ने हाल ही में रामनगरी में 40 लाख रुपये का भूखंड खरीदा था। अब उस पर मकान भी बनवा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि राम मंदिर के गर्भगृह में सेवारत एक तिवारी पर नजर रखी जा रही है, उसे पूछताछ की गई है। इसे महाकुंभ के दिनों में भक्तों की ओर से अर्पित सोने-चांदी के आभूषणों को एकत्रित करने का दायित्व सौंपा गया था। इसने भी कुछ माह पहले डेढ़ करोड़ की जमीन खरीदी है। इसी से सवाल उठ रहा कि इतना महंगा भूखंड उसने कैसे खरीदा, जबकि उसे ट्रस्ट की ओर से प्रतिमाह लगभग 18 से 20 हजार रुपये ही पारिश्रमिक दिया जाता है।

ऐसे कुछ अन्य लोग भी हैं, जो गणना से जुड़े रहे और उनकी आर्थिक स्थिति कम समय में ही सुदृढ़ होती गई। सूत्रों ने बताया कि जांचकताओं को उन ट्रस्ट कर्मियों से ही जानकारी मिल रही है, जिन्हें यात्री सुविधा केंद्र में रखा गया है। अब भी गोपनीय स्तर पर यही प्रयास चल रहा है कि गबन की गई रकम का अधिकतम हिस्सा बरामद हो जाए, तो किसी विधिक कार्रवाई से बचा जा सके।

सपा जिलाध्यक्ष व भाजपा नेता ने फिर की सीबीआइ जांच की मांग

समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहाकि यह हिंदू सनातनियों की आस्था पर प्रहार है। इसकी विधिवत जांच किसी केंद्रीय जांच एजेंसी से कराई जानी चाहिए, जिससे दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई हो सके।

वहीं, भाजपा नेता डा. रजनीश सिंह ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को पत्र भेज कर इस प्रकरण की सीबीआइ या ईडी से जांच कराने की मांग की है। इसके पहले भी उन्होंने पीएम को पत्र भेजा था।

लखनऊ में लाखों लोगों को मिलेगी राहत; अवैध निमार्णों को लेकर एलडीए की खास तैयारी, अब जमा करने होंगे यह दस्तावेज

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी.

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले के बाद लखनऊ के लगभग 120 गांवों में बने हजारों निर्माण अब अवैध से वैध हो जाएंगे. लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) इन निमार्णों को अनुमोदित करेगा, जिससे लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है.

आवास विभाग के आदेश के अनुसार, 31 मई 2026 तक के निर्माण इस योजना के दायरे में आएंगे. एलडीए के क्षेत्र में आने वाले यह गांव वैसे तो लखनऊ विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल हैं, लेकिन हजारों लोगों ने जिला पंचायत से नक्शा पास करा लिया था. अब एलडीए इन नक्शों को अपनी प्रक्रिया के माध्यम से मंजूरी देगा. इस फैसले से उन लोगों को फायदा होगा जिनके मकान, दुकान या अन्य निर्माण बिना एलडीए की मंजूरी के बने थे और उन्हें अवैध माना जा रहा था. यह कदम आम नागरिकों की समस्याओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है.

पहले इन निमार्णों पर डिमोलिशन की तलवार लटकी रहती थी, जिससे लोगों में भय और अनिश्चितता बनी रहती थी. अब एलडीए इन निमार्णों को नियमित करेगा. आवास विभाग के आदेश के बाद एलडीए की टीम इन मामलों की जांच-पड़ताल करेगी और जरूरी दस्तावेजों के आधार पर मंजूरी प्रदान करेगी.

इस योजना का लाभ उन परिवारों को सबसे ज्यादा मिलेगा जो पिछले कई वर्षों से इन गांवों में रह रहे हैं. अनुमान है कि इससे जुड़े लाखों लोगों को कानूनी सुरक्षा मिल जाएगी. उनके

मकानों की रजिस्ट्री, बिजली-पानी के कनेक्शन और अन्य सुविधाओं में भी आसानी होगी.

जिला पंचायत से नक्शा पास करके सैकड़ों की संख्या में अपार्टमेंट, दर्जनों बड़े कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, होटल, रिसोर्ट बड़ी संख्या में कमर्शियल कंपलेक्स बनाए गए. अनेक टाउनशिप विकसित की गईं. इनमें से ज्यादातर को लखनऊ विकास प्राधिकरण के डिमोलिशन और सीलिंग के नोटिस भेजे गए.

जिससे यहां रहने वाले लोगों के मन में हमेशा आशंका बनी रहती थी कि आखिर उनके आशियाने का भविष्य क्या होगा. सरकार के इस निर्णय के बाद अब उनका आवेदन करना होगा, जिसके तहत उनके निर्माण के नक्शे को दुरुस्त किया जाएगा.

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी. आवेदकों को जरूरी दस्तावेज जैसे नक्शा, भूमि दस्तावेज, निर्माण की तारीख के प्रमाण आदि जमा करने होंगे. 31 मई 2026 तक पूरे हुए निर्माण ही इस योजना में शामिल होंगे. इसके बाद नए निमार्णों के लिए एलडीए से ही मंजूरी लेनी होगी.

यह फैसला उत्तर प्रदेश सरकार की आवास सुधार नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शहर के विकास को व्यवस्थित करना और लोगों को राहत प्रदान करना है. लखनऊ जैसे बड़े शहर में आबादी तेजी से बढ़ रही है और कई इलाके विकास की सीमा में आ गए हैं. ऐसे में पुराने निमार्णों को वैध बनाने का यह कदम विकास की गति को बनाए रखते हुए जनहित को ध्यान में रखता है.

अयोध्या राम मंदिर दान के धन में चोरी की जांच करेगी एसआईटी, योगी सरकार ने दो हफ्ते में मांगी फाइनल रिपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। राम नगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के मंदिरों से चढ़ावा चोरी होने के प्रकरण में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शरण में है। ट्रस्ट ने चढ़ावा की धनराशि की बड़ी चोरी का पदार्फाश करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का अनुरोध किया है।

ट्रस्ट के अनुरोध पर योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है, जिसमें लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज आईपीएस किरन एस व विशेष सचिव वित्त आईएएस नील रतन को शामिल किया गया है। एसआइटी को सात दिन में अंतरिम रिपोर्ट और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

चढ़ावा चोरी लगातार बढ़ते आरोपों पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया है। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के करोड़ों रुपये की चोरी के दावे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट ने शनिवार शाम को सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यालय में पत्र भेजकर चोरी के दावे की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) से

कराने का अनुरोध किया है।

राम मंदिर में दान पात्रों में दान की गई धनराशि चोरी मामले में लगातार हो रही फजीहत के बाद ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने चढ़ावे के रुपये की चोरी को लेकर रोज हो रहे नए प्रकरण पर अब विराम लगाने के क्रम में यह कदम उठाया है। इससे पहले ट्रस्ट की ओर से आंतरिक जांच और आडिट की बात कही जा रही थी।

ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है कि दान पात्रों में धनराशि की चोरी से जुड़ी तमाम अफवाहों और दावों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया जाए। ट्रस्ट का कहना है कि एक उच्च स्तरीय एसआईटी जांच से न केवल इस पूरे प्रोपेगैंडा के पीछे छिपे चेहरों का पदार्फाश होगा, बल्कि देश की जनता के सामने यह सच भी आ जाएगा कि राम मंदिर में चढ़ावे की एक-एक पाई पूरी तरह सुरक्षित और पूरी पारदर्शिता के साथ बैंक खातों में जमा की जाती है। ट्रस्ट का मानना है कि यह श्रीराम मंदिर की छवि और करोड़ों भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचाने की एक गहरी साजिश है, जिसका पदार्फाश होना बेहद जरूरी है।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) विशेष जांच दल है। यह पुलिस या कानून प्रवर्तन अधिकारियों की एक विशेष और पेशेवर टीम होती है। जिसे किसी अत्यंत गंभीर, जटिल या संवेदनशील आपराधिक मामले की गहराई से जांच करने के लिए गठित किया जाता है।

जब कोई बहुत बड़ा घोटाला या अपराध होता है, तब उसकी निष्पक्ष जांच के लिए सरकार एसआईटी का गठन करती है। इस टीम में आमतौर पर राज्य पुलिस के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी, साइबर विशेषज्ञ और फॉरेंसिक जांचकर्ता शामिल होते हैं। एसआईटी के पास आम पुलिस के समान ही जांच करने, सबूत इकट्ठा करने और सीधे अदालत में चार्जशीट दाखिल करने की पूर्ण शक्ति होती है।

बेटी भगाने की रंजिश में हत्या, 3 दोषियों को उम्रकैद:सीतापुर में कोर्ट 10-10 हजार का लगाया जुमार्ना, 12 साल बाद आया फैसला

(जीएनएस)।

सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में हुई युवक की हत्या के मामले में अदालत ने 12 साल बाद अहम फैसला सुनाया है। जिला न्यायालय ने तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। फैसला सुनाए जाने के बाद तीनों दोषियों को जेल भेज दिया गया।

इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में वर्ष 2014 में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में जिला न्यायालय ने 12 वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए तीन अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। अदालत ने सभी दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है।

यह मामला 24 जनवरी 2014 का है। थाना इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय बबलू अपने पिता शिव सागर के साथ जा रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उस पर बांके से हमला कर दिया। हमले में बबलू गंभीर रूप

से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटे की हत्या उसके पिता की आंखों के सामने हुई थी, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

पुलिस जांच में सामने आया था कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश थी। अभियुक्त मनोहर की बेटी को बबलू अपने साथ भगा ले गया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते मनोहर ने अपने साथियों शिवनारायण और चंद्रिका के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची और वारदात को अंजाम दिया।

मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शी गवाहों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोप सिद्ध किए।

जिला न्यायाधीश आशीष जैन की अदालत ने सुनाई सजा

जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष जैन की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद मनोहर, शिवनारायण और चंद्रिका को दोषी ठहराया।

अदालत ने तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। फैसला सुनाए जाने के बाद तीनों की जमानत निरस्त कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

करीब 12 वर्ष तक चले इस मुकदमे के बाद आए फैसले से पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद पूरी हुई है।

युवा अध्यक्ष बने प्रिंस गुप्ता, व्यापार मंडल ने किया संगठन विस्तार

(जीएनएस)।

अयोध्या , उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की जिला इकाई ने अपने संगठन का विस्तार किया है। इस प्रक्रिया में सूचितागंज बाजार के व्यापारी प्रिंस गुप्ता को युवा अध्यक्ष बनाया गया है।

संगठन ने ट्रांसपोर्ट व्यवसायी जसबीर सिंह सेठी को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। मनीष गोयल को महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष अतुल कुमार सिंह और महानगर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गुप्ता ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि मार्च 2027 में प्रदेश स्तरीय चुनाव होंगे। इन चुनावों के लिए जिले में संगठन को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए पुनर्गठन की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। जिला अध्यक्ष ने बिजली बिलों में कथित बढ़ोतरी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

महानगर महामंत्री अरुण कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में कई व्यापारी मौजूद रहे। इनमें जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह गांधी और पार्षद ज्ञान केसरवानी शामिल थे। महानगर कोषाध्यक्ष यशस्पति अग्रवाल भी उपस्थित थे। वरिष्ठ व्यापारी बैजनाथ वैश्य, अरविंद गुप्ता, शिवम यादव, अभिषेक यादव, सूर्यप्रकाश और निशांत सिंह सहित अन्य व्यापारी भी मौजूद थे।

नैमिषारण्य में जल्द शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा:सीतापुर में प्रभारी मंत्री मनोज पांडे का दावा, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा

(जीएनएस)।

सीतापुर के प्रभारी मंत्री का दायित्व मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य रसद मंत्री मनोज पांडे शनिवार को पहली बार नैमिषारण्य पहुंचे। उनके आगमन को लेकर तीर्थनगरी में विशेष उत्साह का माहौल रहा।

इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी, चक्रतीर्थ और मां ललिता देवी शक्तिपीठ सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और विकास की कामना की।

प्रभारी मंत्री मनोज पांडे ने अपनी धार्मिक यात्रा की शुरूआत हनुमानगढ़ी मंदिर से की। यहां महंत बजरंग दास के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा और आरती संपन्न हुई।

इसके बाद उन्होंने चक्रतीर्थ पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान में भाग

लिया, जहां तीर्थ पुरोहित राजनारायण पाण्डेय ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा कराई।

इसके पश्चात मंत्री मां ललिता देवी शक्तिपीठ पहुंचे, जहां मंदिर के पुजारी भास्कर शास्त्री ने विशेष पूजन कराया। मंत्री ने प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की।

दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बातचीत में प्रभारी मंत्री मनोज पांडे ने नैमिषारण्य में तैयार हेलीपोर्ट से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू किए जाने के सवाल पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री और संबंधित विभागों से वार्ता कर जल्द से जल्द हेलीकॉप्टर सेवा शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सेवा शुरू होने से देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी तथा धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार नैमिषारण्य को देश के प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्रों में विकसित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। यहां की आध्यात्मिक और पौराणिक पहचान को संरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

इस दौरान उपजिलाधिकारी अभिनव यादव, क्षेत्राधिकारी ब्रजेश कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, मिश्रिख विधायक रामकृष्ण भार्गव, ब्लॉक प्रमुख रामकिंकर पाण्डेय सहित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी रही। मंत्री के दौरे से स्थानीय लोगों में विकास कार्यों को लेकर नई उम्मीद जगी है

लाखों की ठगी, लखनऊ-गोरखपुर से दंपति समेत चार गिरफ्तार

(जीएनएस)।

निचलौल/महराजगंज। नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने महिला समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपितों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। सभी आरोपित उन्नाव, लखनऊ व गोरखपुर के रहने वाले हैं।

ठूठीबारी के जमुई कला निवासी निर्भय कुमार मद्धेशिया व पिपराकाजी निवासी रीना चौधरी ने 12 जून को निचलौल थाने में तहरीर देकर बताया था कि नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने उनसे व उनके परिचितों से लगभग 10 लाख रुपये ठग लिए हैं।

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर निचलौल पुलिस, एसओजी और स्वाट टीम आरोपितों की गिरफ्तारी में जुट गई। शनिवार को पुलिस ने वांछित चार आरोपितों को लखनऊ और गोरखपुर के विभिन्न स्थानों से

गिरफ्तार कर लिया।

जांच में सामने आया कि गिरोह नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सरकारी एवं निजी संस्थानों में नौकरी दिलाने का भरोसा देता था। विश्वास में लेने के बाद उनसे मोटी रकम वसूलकर फर्जी नियुक्ति पत्र, आफर लेटर तथा अन्य कूटरचित दस्तावेज उपलब्ध कराता था।

गिरफ्तार आरोपितों में राजचन्द्रा उर्फ अजीत निवासी कोईली खाल, बड़हलगंज जिला गोरखपुर, आमोद राठौर निवासी जानकीपुरम, लखनऊ, कुलदीप निवासी नरेंद्रनगर उन्नाव और अराधना कुमारी पत्नी कुलदीप निवासी नरेंद्रनगर उन्नाव, वर्तमान पता दीनदयालपुरम तकरोही इंदिरानगर, लखनऊ शामिल हैं।

थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने नौकरी दिलाने के नाम पर धनराशि लेकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर ठगी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों, बैंक खातों, लेन-देन और संभावित पीड़ितों की जानकारी जुटा रही है।

अलीगढ़ में लखनऊ-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस पर पथराव, आरपीएफ ने एक युवक को किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

अलीगढ़। लखनऊ से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के कोच पर शनिवार को अलीगढ़ और महरावल स्टेशन के बीच पत्थर फेंककर शीशा तोड़ दिया। अंदर का शीशा सुरक्षित होने के कारण बराबर में बैठे यात्री को चोट नहीं आई है।

इस घटना में एक युवक को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है। इससे पहले गुरुवार को लखनऊ से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस के कोच 54 पर फिरोजाबाद के पास पत्थर फेंककर शीशा टूटने की घटना हो चुकी है। इस ट्रेन में संघ प्रमुख मोहन भागवत और कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां यात्रा कर रहीं थी। यह दो दिन के अंदर दूसरी घटना है।

शनिवार की सुबह गाड़ी संख्या 12033 शताब्दी एक्सप्रेस के कोच सी-08 पर किसी ने पत्थर मारकर तोड़ दिया। सीट नंबर आठ पर यात्रा कर रही महिला हिमगिरी ने फोन पर बताया कि उनकी सीट नंबर छह थी लेकिन सुविधा के अनुसार वह आठ नंबर यात्रा कर रहीं थीं।

अलीगढ़ से चलने के तीन मिनट बाद सीट नंबर आठ और नौ की खिड़की पर बाहर से उत्तरी दिशा से किसी ने पत्थर फेंकने से शीशा टूट गया। अंदर का शीशा नहीं टूटा था। इससे किसी यात्री को चोट नहीं आई। स्टेशन मास्टर के अनुसार गाड़ी अलीगढ़ सुबह 9.14 बजे पहुंची और दो मिनट रुकने के बाद 9.16 बजे रवाना हो गई।

महरावल से यह ट्रेन 9.22 बजे गुजरी है। यात्री के अनुसार घटनास्थल अलीगढ़ और महरावल बताया जा रहा है। सूचना पर एसआई धीर सिंह, एएसआई सुधीर कुमार, कांस्टेबल बिजेंद्र कुमार, इसकी छानबीन चल रही है।

सहायक सुरक्षा आयुक्त गुलजार सिंह और प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार तिवारी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है।

आरपीएफ ने इस मामले में थाना क्वार्सी के मौलाना आजाद नगर, कोलंबिया स्कूल के पीछे निवासी तालिब को गिरफ्तार किया है।

राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के दो संदिग्धों ने खरीदीं महंगी जमीनें, अब पकड़े गए

(जीएनएस)।

अयोध्या। राम नगरी में रामजन्मभूमि परिसर के दानपात्रों की धनराशि चोरी करने के मामले में ट्रस्ट ने दो और कर्मचारियों को पकड़ा है।

ट्रस्ट की ओर से जांच में इतनी गोपनीयता बरती जा रही है कि सुरक्षा से जुड़ा कोई भी अधिकारी इसे स्वीकार नहीं कर रहा है, जबकि पकड़े गए संदिग्ध कर्मियों से पूछताछ में जिनके नाम सामने आ रहे हैं, उन्हें उनके ठिकानों से उठाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह सारी कार्रवाई बिना पुलिस में एफआईआर के ही की जा रही है। पुलिस इस पूरे प्रकरण में ट्रस्ट के कर्मचारियों साथ मिलकर संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि गबन मामले से जुड़े रुदौली के मीनापुर फगौली के मजरे फगौली ठाकुरान निवासी लवकुश को दबोचा गया है, जो ट्रस्ट का कर्मी है और वह भी गणना से जुड़ा रहा है। इसके घर से कुछ नकदी भी बरामद

की गई है, परंतु मात्रा नहीं पता चल सकी। लवकुश ने हाल ही में रामनगरी में 40 लाख रुपये का भूखंड खरीदा था। अब उस पर मकान भी बनवा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि राम मंदिर के गर्भगृह में सेवारत एक तिवारी पर नजर रखी जा रही है, उसे पूछताछ की गई है। इसे महाकुंभ के दिनों में भक्तों की ओर से अर्पित सोने-चांदी के आभूषणों को एकत्रित करने का दायित्व सौंपा गया था। इसने भी कुछ माह पहले डेढ़ करोड़ की जमीन खरीदी है। इसी से सवाल उठ रहा कि इतना महंगा भूखंड उसने कैसे खरीदा, जबकि उसे ट्रस्ट की ओर से प्रतिमाह लगभग 18 से 20 हजार रुपये ही पारिश्रमिक दिया जाता है।

ऐसे कुछ अन्य लोग भी हैं, जो गणना से जुड़े रहे और उनकी आर्थिक स्थिति कम समय में ही सुदृढ़ होती गई। सूत्रों ने बताया कि जांचकताओं को उन ट्रस्ट कर्मियों से ही जानकारी मिल रही है, जिन्हें यात्री सुविधा केंद्र में रखा गया है। अब भी गोपनीय स्तर पर यही प्रयास चल रहा है कि गबन की गई रकम का अधिकतम हिस्सा बरामद हो जाए, तो किसी विधिक कार्रवाई से बचा जा सके।

सपा जिलाध्यक्ष व भाजपा नेता ने फिर की सीबीआइ जांच की मांग

समाजवादी पार्टी के निवर्तमान जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहाकि यह हिंदू सनातनियों की आस्था पर प्रहार है। इसकी विधिवत जांच किसी केंद्रीय जांच एजेंसी से कराई जानी चाहिए, जिससे दोषी व्यक्तियों पर कार्रवाई हो सके।

वहीं, भाजपा नेता डा. रजनीश सिंह ने एक बार फिर प्रधानमंत्री को पत्र भेज कर इस प्रकरण की सीबीआइ या ईडी से जांच कराने की मांग की है। इसके पहले भी उन्होंने पीएम को पत्र भेजा था।

लखनऊ में लाखों लोगों को मिलेगी राहत; अवैध निमार्णों को लेकर एलडीए की खास तैयारी, अब जमा करने होंगे यह दस्तावेज

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी.

(जीएनएस)।

लखनऊ : उत्तर प्रदेश कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले के बाद लखनऊ के लगभग 120 गांवों में बने हजारों निर्माण अब अवैध से वैध हो जाएंगे. लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) इन निमार्णों को अनुमोदित करेगा, जिससे लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलने वाली है.

आवास विभाग के आदेश के अनुसार, 31 मई 2026 तक के निर्माण इस योजना के दायरे में आएंगे. एलडीए के क्षेत्र में आने वाले यह गांव वैसे तो लखनऊ विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल हैं, लेकिन हजारों लोगों ने जिला पंचायत से नक्शा पास करा लिया था. अब एलडीए इन नक्शों को अपनी प्रक्रिया के माध्यम से मंजूरी देगा. इस फैसले से उन लोगों को फायदा होगा जिनके मकान, दुकान या अन्य निर्माण बिना एलडीए की मंजूरी के बने थे और उन्हें अवैध माना जा रहा था. यह कदम आम नागरिकों की समस्याओं को ध्यान में रखकर उठाया गया है.

पहले इन निमार्णों पर डिमोलिशन की तलवार लटकी रहती थी, जिससे लोगों में भय और अनिश्चितता बनी रहती थी. अब एलडीए इन निमार्णों को नियमित करेगा. आवास विभाग के आदेश के बाद एलडीए की टीम इन मामलों की जांच-पड़ताल करेगी और जरूरी दस्तावेजों के आधार पर मंजूरी प्रदान करेगी.

इस योजना का लाभ उन परिवारों को सबसे ज्यादा मिलेगा जो पिछले कई वर्षों से इन गांवों में रह रहे हैं. अनुमान है कि इससे जुड़े लाखों लोगों को कानूनी सुरक्षा मिल जाएगी. उनके

मकानों की रजिस्ट्री, बिजली-पानी के कनेक्शन और अन्य सुविधाओं में भी आसानी होगी.

जिला पंचायत से नक्शा पास करके सैकड़ों की संख्या में अपार्टमेंट, दर्जनों बड़े कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, होटल, रिसोर्ट बड़ी संख्या में कमर्शियल कंपलेक्स बनाए गए. अनेक टाउनशिप विकसित की गईं. इनमें से ज्यादातर को लखनऊ विकास प्राधिकरण के डिमोलिशन और सीलिंग के नोटिस भेजे गए.

जिससे यहां रहने वाले लोगों के मन में हमेशा आशंका बनी रहती थी कि आखिर उनके आशियाने का भविष्य क्या होगा. सरकार के इस निर्णय के बाद अब उनका आवेदन करना होगा, जिसके तहत उनके निर्माण के नक्शे को दुरुस्त किया जाएगा.

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी की जाएगी. आवेदकों को जरूरी दस्तावेज जैसे नक्शा, भूमि दस्तावेज, निर्माण की तारीख के प्रमाण आदि जमा करने होंगे. 31 मई 2026 तक पूरे हुए निर्माण ही इस योजना में शामिल होंगे. इसके बाद नए निमार्णों के लिए एलडीए से ही मंजूरी लेनी होगी.

यह फैसला उत्तर प्रदेश सरकार की आवास सुधार नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शहर के विकास को व्यवस्थित करना और लोगों को राहत प्रदान करना है. लखनऊ जैसे बड़े शहर में आबादी तेजी से बढ़ रही है और कई इलाके विकास की सीमा में आ गए हैं. ऐसे में पुराने निमार्णों को वैध बनाने का यह कदम विकास की गति को बनाए रखते हुए जनहित को ध्यान में रखता है.

अयोध्या राम मंदिर दान के धन में चोरी की जांच करेगी एसआईटी, योगी सरकार ने दो हफ्ते में मांगी फाइनल रिपोर्ट

(जीएनएस)।

लखनऊ। राम नगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि परिसर के मंदिरों से चढ़ावा चोरी होने के प्रकरण में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शरण में है। ट्रस्ट ने चढ़ावा की धनराशि की बड़ी चोरी का पदार्फाश करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का अनुरोध किया है।

ट्रस्ट के अनुरोध पर योगी सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है, जिसमें लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत, आईजी रेंज आईपीएस किरन एस व विशेष सचिव वित्त आईएएस नील रतन को शामिल किया गया है। एसआइटी को सात दिन में अंतरिम रिपोर्ट और 15 दिन में अंतिम रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

चढ़ावा चोरी लगातार बढ़ते आरोपों पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अनुरोध किया है। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे के करोड़ों रुपये की चोरी के दावे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट ने शनिवार शाम को सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यालय में पत्र भेजकर चोरी के दावे की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) से

कराने का अनुरोध किया है।

राम मंदिर में दान पात्रों में दान की गई धनराशि चोरी मामले में लगातार हो रही फजीहत के बाद ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने चढ़ावे के रुपये की चोरी को लेकर रोज हो रहे नए प्रकरण पर अब विराम लगाने के क्रम में यह कदम उठाया है। इससे पहले ट्रस्ट की ओर से आंतरिक जांच और आडिट की बात कही जा रही थी।

ट्रस्ट की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र भेजकर अनुरोध किया गया है कि दान पात्रों में धनराशि की चोरी से जुड़ी तमाम अफवाहों और दावों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया जाए। ट्रस्ट का कहना है कि एक उच्च स्तरीय एसआईटी जांच से न केवल इस पूरे प्रोपेगैंडा के पीछे छिपे चेहरों का पदार्फाश होगा, बल्कि देश की जनता के सामने यह सच भी आ जाएगा कि राम मंदिर में चढ़ावे की एक-एक पाई पूरी तरह सुरक्षित और पूरी पारदर्शिता के साथ बैंक खातों में जमा की जाती है। ट्रस्ट का मानना है कि यह श्रीराम मंदिर की छवि और करोड़ों भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचाने की एक गहरी साजिश है, जिसका पदार्फाश होना बेहद जरूरी है।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) विशेष जांच दल है। यह पुलिस या कानून प्रवर्तन अधिकारियों की एक विशेष और पेशेवर टीम होती है। जिसे किसी अत्यंत गंभीर, जटिल या संवेदनशील आपराधिक मामले की गहराई से जांच करने के लिए गठित किया जाता है।

जब कोई बहुत बड़ा घोटाला या अपराध होता है, तब उसकी निष्पक्ष जांच के लिए सरकार एसआईटी का गठन करती है। इस टीम में आमतौर पर राज्य पुलिस के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारी, साइबर विशेषज्ञ और फॉरेंसिक जांचकर्ता शामिल होते हैं। एसआईटी के पास आम पुलिस के समान ही जांच करने, सबूत इकट्ठा करने और सीधे अदालत में चार्जशीट दाखिल करने की पूर्ण शक्ति होती है।